महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक - कला संकाय (पास कोर्स)

विषयः- हिन्दी साहित्य

सत्र:- 2023-24

Scheme of examination

"Scheme of examination for end of semester examination applicable to all undergraduate courses (Pass Course)

The Question paper of semester examination for the Disciplinary centric core Course (DCCC), Discipline Specific elective (DSE), Ability Enhancement Course (AEC), Value Added Course (VAC) and Skill Enhancement Course (SEC) Will be of 70 marks and it will be divided in two parts i.e. Part A and Part-B, Part-A will consist of 10 compulsory question. There Will be at least three questions from each unit and answer to each question shall be limited up to 50 words. Each question will carry two marks, Total 20 Marks.

Part-B will consist of 10 questions. At least three questions from each unit be set and student will have to answer five question, selecting at least one question from each unit. The answer to each question shall be limited to 400 words. Each question carries 10 Marks. Total 50 Marks.

Note: - the students have to pass external theory paper and internal continuous assessment separately.

N E W
MDSU 2023
UG-HINDI- PASS COURSE
Sem-I

YEAR	SEM	DSCC/ DSEC/ AEC/ SEC/ VAC	COURSE CODE	COURSE NOMENTATURE	THEORY/ PRACTICAL	CREDIT	EOSE/CA	
I	I	Core -I DSCC	Hin 5.l--001	हिन्दी साहित्य एवं भाषा का इतिहास	THEORY	06	70+30	06 व्याख्यान प्रति सप्ताह

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी-साहित्य

sem-1
core- 1

Dscc/course code Hin5.1-001/हिन्दी साहित्य एवं भाषा का इतिहास

उद्देश्य-

-विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के सामान्य ज्ञान से अवगत कराना।

-आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना।

-भाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना।

-अभिव्यक्ति क्षमता का विकास।

Eose (अंक विभाजन) समयः- 3 घण्टे

अधिकतम अंक -70

इकाई -I

(अ) भाषा का अर्थ एवं स्वरूप

(ब) हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास

(स) हिन्दी भाषा की उपभाषा एवं बोलियों का सामान्य परिचय

इकाई - II

हिन्दी साहित्य का इतिहास - (आदिकाल से रीतिकाल)

(अ) काल विभाजन, नामकरण, कालगत परिस्थितियाँ

(ब) प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रचनाकार

इकाई -III

(अ) आधुनिक काल में कविता का विकास

(भारतेन्दु काल, द्विवेदी काल, छायावादी काल, छायावादोत्तर काल, नई कविता से अद्यतन)

(ब) प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

MM30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा -15

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
- हिन्दी भाषा - डॉ. भोला नाथ तिवारी
- हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी

MDSU 2023
UG-HINDI- PASS COURSE
Sem-II

YEAR	SEM	DSCC/ DSEC/ AEC/ SEC /VAC	COURSE CODE	COURSE NOMENTATURE	THEORY/ PRACTICAL	CREDIT	EOSE/ CA	
I	II	Core - I DSCC	Hin 5.ll--001	1 प्राचीन काव्य [आदिकाल व भक्ति काल]	THEORY	03	70+30	06व्याख्यान प्रति सप्ताह

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

sem-II
Core 1
course code Hin5.2-001/प्राचीन काव्य (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

उद्देश्य-

- हिन्दी साहित्य का परिचय
- आलोचनात्मक क्षमता का विकास
- अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

Eose (अंक विभाजन) समय:- 3 घण्टे

अधिकतम अंक -70

इकाई –I

I. **ढोला मारू रा दूहा** - संपादक नरोत्तम दास स्वामी, सूर्यकरण पारीक, रामसिंह 'नरबर देस सुहावणउ' दूहे से 'अकथ कहानी प्रेम की' दूहे तक (सं. रामसिंह, सूर्य करण पारीक, नरोत्तम दासस्वामी, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी)

II. कबीर -

(कबीर ग्रन्थावली – श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा काशी)

पद 1

दुलहनी गावहु ----------पुरिष एक अबिनासी।।

पद-2

बहुत दिनन में ---------- दीन्हा।।

पद-3

संतो भाई आई---------- भया तम खीनां।

पद-4

पांडे कौन कुमति ----------राम ल्यो लाई।

पद-5

हम न मरैं ---------- सुख सागर पावा।

पद-6

माया महा ठगिनी ---------- अकथ कहानी।

पद-7

झीनी झीनी बीनी ----------धरि दीनी चदरिया।

पद-8

पानी में मीन ----------सहज मिले अविनासी।

पद-9

मन रे राम सुमिरि ---------- राम करि सनेही।

पद-10

काहे री नलनी ---------- नहीं मूए हमारे जान।

गुरू देव कौ अंग

सतगुरू की महिमा ----------दिखवणहार।

रामनाम कै पटतरे ---------- रही मन माँहि।

सतगुर साँचा ---------- पड़्या कलैजे छेक।

माया दीपक नर ---------- एक आध उबरंत।

थापणि पाई----------मानसरोवर तीर।

मन कौ अंग

मन कै मतै ---------- अपूठा आंणि।

मन गोरख मन ---------- आपैं करता सोई।

कबीर मन गाफिल ----------दरगह मांहि।

कबीर मन पंषी ---------- माया के पास।

करता था तौ ---------- कहाँ तैं खाइ।

विरह कौ अंग

बिरहनि ऊभी पंथ ---------- कबर मिलेगें आइ

यहु तन जालौं ---------- बरसि बुझावै अग्गि।

विरह भुवंगम तन---------- जिवै त बौरा होई।

अंषड़ियां झाई पड़ी---------- राम पुकारि पुकारि।

हँसि हँसि कंत ---------- नहीं दुहागनि कोइ।

माया कौ अंग

कबीरा माया मोहनी ---------- नहीं तौ करती भाँड।

त्रिषणा सींची नां बुझै ---------- मे हां कुमिलाई।

माया तरवर त्रिविध ---------- फल फीकौ तनि ताप।

कबीर माया मोह ---------- रहे बसत कूँ रोई।

माया को झल जग ---------- रूई लपेटी आगि।

चितावणी कौ अंग

सातौ सबद जु बाजते ---------- बैसण लागे काग।

यहु ऐसा संसार है ---------- झूठै रंगि न भूल।

मिनषा जनम दुलभ है ---------- बहुरि न लागै डार।

कबीर कहा गरबिया ---------- खं्रवर भये पलास।

मैं मैं बड़ी बलाई ---------- रूई लपेटी आग।

III. रैदास

(योगेन्द्र सिंह, प्रकाशक - लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

1.अविगत नाथ निरंजन ---------- गावै रैदास।

2.अब कैसे छूटै राम ---------- ऐसी भक्ति करै रैदास।

3.ऊँचे मन्दिर शाल ---------- राम कहिं छूट्यौ ।।

4.किहि विधि अब ---------- मौहि आज।

5.कहि मन राम नाम ---------- थैं न बिसारि ।।

IV. नानक –

(नानकवाणी, अमृतसर)

भक्तिमार्ग

मन रे प्रभु की ----------उतराहि पारा।

योग मार्ग

1. मिलि जलु ---------- जलहि खटाना।

2.अब राखहु दास ---------- भाट की लाज।

3.सावण आइया हे सखी ---------- बढ़ाइ देइ ।

V. संत कवि दादू

(संत कवि दादू और उनका पंथ, डॉ. वासुदेव भार्मा, प्रकाशन-शोध प्रबन्ध प्रकाश नई दिल्ली)

1. नीकै राम कहत ---------- यहु मारग सकरा

2. अजहूँ न निकसे ---------- जैसे चन्द चकोर।

3. सजनी रजनी घटती ---------- सकल शिरोमणि राइ।

4. हमारे तुम ही---------- सब जंजाल।

5. मूनै येह ---------- बिहूंणौं गाये।

इकाई –II

I. जायसी-

(जायसी ग्रंथावली -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

- नागमती वियोग खण्ड - 15 छंद (प्रारम्भ के)

II. सूरदास

(सूर सागर - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

- वात्सल्य,

- गोपी प्रेम,

विरह- वर्णन,

- सूर सागर निम्नांकित 20 पद

वात्सल्य

1. जसोदा हरि पालने झुलावे
2. मैया मैं तो चंद खिलौनो लहौं ।
3. खेलन दूरि जात कत प्यारे।
4. मैया बहुत बुरो बलदाऊ
5. खेलन अब मेरी जाइ बलैया

गोपी –प्रेम

6. हरि मुख निरखत नैन भुलाने
7. चितवन रोके हूं न रही
8. बुझत स्याम कौन तू गौरी
9. सजनि निरखी हरि को रूप
10. अब तो प्रकट भई जग जानी

विरह वर्णन

11. मधुकर स्याम हमारे चोर
12. बिनु गोपाल बैरिन भइ कुंजै
13. हमारे हरि हारिल की लकरी
14. प्रीति करि काहू सुख न लह्यो
15. संदेसनि मधुबन कूप भरे
16. सखी इन नैननि तैं घन हारे
17. निरगुन कौन देस को बासी
18. ऊधौ मन माने की बात
19. सँदेसौ देवकी सौं कहियो
20. ऊधौ मोहि ब्रज बिसरत नाहीं

III. तुलसी -

(गीता प्रेस गोरखपुर)

- वाटिका प्रसंग – रामचरितमानस

- विनय पत्रिका - उतरार्द्ध के प्रारम्भिक पाँच पद

IV. मीरां -

- मीरां –पदावली [शम्भू सिंह मनोहर] (प्रारम्भिक 25 पद)

V. रसखान –10 पद

(रसखान ग्रंथावली, संपादन-देश राज सिंह भाटी, अशोक प्रकाशन, नई सड़क दिल्ली)

भक्ति

1. प्रान वही जु रहै ---------- भायो।
2. बैन वही उनको ---------- सो है रसखानी।
3. मानुष हौं तौ ---------- कदंब की डारन।
4. या लकुटी ---------- कुंजन ऊपर वारौ।
5. सेस महेस गनेस ----------पै नाच नचावैं।
6. ब्रह्म में ढूंढ्यो पुरानन ---------- राधिका पायन।
7. कहा रसखानी ---------- नन्द के कुमार को।
8. जो रसना रस ना बिलसै -------कालिंदी - कूल कदंब की डारन।
9. कंस के कोप की फैल गई ----------कलंक तमाल तै कीरति डार सी।
10. द्रौपदी औ गनिका ---------- चाखनहारौ सो राखनहारौ।

इकाई - III

I. काव्य गुण, काव्य दोष, शब्द शक्ति, रीति, रस (अर्थ, स्वरूप एवं रसावयव)

II. अलंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष स्वभावोक्ति , उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक, सन्देह, भ्रान्तिमान्, दृष्टान्त,उदाहरण, दीपक, अपह्नुति, अर्थान्तरन्यास)

III. छंद -मात्रिक छंद -चौपाई ,रोला, हरिगीतिका, दोहा, सोरठा, कुंडलिया
वर्णिक छंद -द्रुतविलंबित ,मालिनी, सवैया ,कवित्त

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)
MM 30
प्रोजेक्ट - 15
मौखिक परीक्षा -15

सहायक ग्रंथ

- भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य – डॉ. शिवकुमार मिश्र।
- रसखान ग्रंथावली - संपादन - देशराज सिंह माही - अशोक प्रकाशन दिल्ली
- भक्तिकाल के सामाजिक आधार- गोपेश्वर सिंह
- तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह
- सूरदरास -ब्रजेश्वर वर्मा।
- मीरा का काव्य - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- लोकवादी तुलसीदास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- सूरदास - रामचंद्र शुक्ल ,ना. प्र. सभा, वाराणसी
- महाकवि सूरदास- नंद दुलारे वाजपेयी, राजकमल नई दिल्ली
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

हिन्दी संत काव्य – परशुराम चतुर्वेदी
- भारतीय काव्य शास्त्र - बलदेव उपाध्याय
- काव्य दर्पण - रामदाईन मिश्र
- साहित्य सिद्धान्त - रामअवध द्विवेदी
- अलंकार पारिजात - नरोत्तम दास स्वामी
- भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका – डॉ.- नगेन्द्र